वर्ष 1 · अंक **10**
जयपुर, मंगलवार, 20 अक्तूबर 2026
सप्ताह 5 – 20 अक्तूबर 2026

The Consulting Crew
GST · इनकम टैक्स · ROC · पेरोल · सलाह
क्लाइंट्स और दोस्तों के लिए मुफ़्त

THE CONSULTING CREW

आज के समाचार

BUSINESS WEEKLY

हर खबर जो आपके बिज़नेस के काम आए

रेपो रेट	टैक्स ऑडिट	WPI (सितम्बर)	CPI (सितम्बर)	निफ्टी 50	रुपया
5.50%	21 Oct	11.39%	5.54%	23,146.15	94.97/$
▲ +25 bps, 7 अक्तूबर	कल — तीसरी तारीख़ नहीं	▲ 9.92% से	▲ 23 महीने का सबसे ऊँचा	▲ +2.8%, घाटे का सिलसिला टूटा	▲ 96.79 से लौटा

इस अंक में

1 टैक्स 2 टैक्स 3 GST 4 क्रेडिट 5 लागत 6 व्यापार 7 राजस्थान 8 संदर्भ + ज़रूरी तारीख़ें

बड़ी खबर · टैक्स

ऑडिट रिपोर्ट कल देनी है। तीसरी तारीख़ नहीं आएगी

21 अक्तूबर बढ़ाई हुई तारीख़ है, तारीख़ का पहला मसौदा नहीं। यह अंक रविवार नहीं, मंगलवार का है — क्योंकि तारीख़ के बाद पहुँचने वाला अख़बार किसी काम का नहीं होता।

टैक्स ऑडिट रिपोर्ट AY 2026-27 · s.44AB · Circular 07/2026 · 21 अक्तूबर

एक दिन बाक़ी है, और आगे कुछ नहीं आ रहा। CBDT ने निर्धारित तारीख़ एक बार बदली — 28 सितम्बर के **Circular 07/2026** से, 30 सितम्बर से **21 अक्तूबर 2026** — और उसके बाद कुछ अधिसूचित नहीं किया। तीन हफ़्ते filing के मौसम के लिए जोड़े गए थे, किसी लंबी राहत की पहली क़िस्त के तौर पर नहीं, और विभाग ने दूसरी बार खिसकाने का कोई संकेत नहीं दिया। section 44AB की रिपोर्ट कल तक नहीं गई तो **section 271B** 21 से नापेगा: turnover का 0.5% या ₹1,50,000 — जो कम हो।

दो तारीख़ें इसके साथ *नहीं* खिसकीं, और इस हफ़्ते की ग़लतियाँ यहीं होंगी। समूह में कहीं भी section **92E** लागू है — कोई international transaction, या कोई specified domestic transaction — तो accountant की रिपोर्ट **Form 3CEB 31 अक्तूबर** को ही देनी है और वह return **30 नवंबर** को। सितम्बर के circular ने section 139(1) की तालिका के क्रमांक 2 वाली प्रविष्टि ली थी; transfer pricing वाली को छुआ ही नहीं। जिस समूह ने 'extension' पढ़कर ढील दे दी, उसके पास अपनी मुश्किल तारीख़ पर ग्यारह दिन हैं, बत्तीस नहीं।

रिपोर्ट कल तक sign नहीं होने वाली, तो आज यह तय कीजिए कि आप दो में से किस हालत में हैं। देर से भरी रिपोर्ट 271B की चूक है और जुर्माना 21 से जुड़ेगा; बिलकुल न भरी जाए तो return ख़ुद खुली रह जाती है। **Section 273B** वहाँ जुर्माने से राहत देता है जहाँ वाजिब वजह हो — और वाजिब वजह record होती है, दलील नहीं: auditor की लिखित बात कि तारीख़ क्यों नहीं पकड़ी जा सकी, आज की तारीख़ में, न कि notice आने पर गढ़ी हुई। आज खुली file मार्च में दी गई बेहतर सफ़ाई से ज़्यादा काम आती है।

> **आपको क्या करना है**
>
> आज, कल नहीं। auditor से sign की स्थिति लिखवा लीजिए — हो गया, या तारीख़ क्या है। समूह में कहीं भी section 92E लगता है तो **31 अक्तूबर** अभी डायरी में डाल लीजिए, क्योंकि वह तारीख़ नहीं खिसकी। और self-assessment tax ₹1 लाख पार करेगा तो चुकाने का वक़्त तय करने से पहले अगला कॉलम पढ़िए: भरने की तारीख़ खिसकी है, चुकाने की शायद नहीं।

टैक्स · ब्याज

भरने की तारीख़ खिसकी। चुकाने की खिसकी या नहीं, यह अब भी नहीं कहा गया

s.234A · self-assessment tax · AY 2026-27

section 234A का ब्याज उस टैक्स पर महीने का 1% चलता है जो return की तारीख़ आने तक बाक़ी हो। ऑडिट वालों की return अब **21 नवंबर** को देनी है। extension पर सवाल हमेशा यही उठता है कि 234A नई तारीख़ से चलेगा या पुरानी से — और पहले के आम extension में CBDT ने इसे करदाता के ख़िलाफ़ एक ख़ास हालत में तय किया था: जहाँ self-assessment tax **₹1 लाख** से ऊपर था, ब्याज *असली* तारीख़ से चलता रहा और सिर्फ़ भरने की तारीख़ खिसकी।

circular के तीन हफ़्ते बाद भी वह छूट इस extension के लिए न दोहराई गई है, न ख़ारिज की गई है। यानी हालत वहीं है जहाँ इस अख़बार ने पहली बार रखी थी, और सुरक्षित नियम वही है: **चुकाइए असली तारीख़ पर, भरिए नई तारीख़ पर।** AY 2026-27 का आपका self-assessment tax ₹1 लाख पार करने वाला हो तो **31 अक्तूबर** तक जमा कीजिए और return **21 नवंबर** तक भरिए। पहले चुकाने में तीन हफ़्ते का पैसा जाता है। दूसरी तरफ़ ग़लत निकले तो पूरी रक़म पर महीने का 1% जाता है — और पता intimation आने पर चलेगा।

शोर से अलग रखने लायक़ बात: यह जुर्माना नहीं है और किसी पर फ़ैसला भी नहीं। 234A उस पैसे का मुआवज़ा है जो ख़ज़ाने के पास तब नहीं था जब उसे उम्मीद थी, और सिस्टम इसे यंत्रवत् लगाता है। न कोई विवेकाधिकार है जिससे अपील करें, न कोई अधिकारी जिसे मनाएँ। इसीलिए इससे बचना सस्ता है और इस पर बहस करना महँगा।

> **आपको क्या करना है**
>
> कैलेंडर में दोनों तारीख़ें अलग-अलग तरह से लिखिए, क्योंकि extension ने इन्हें चुपचाप महीने भर दूर कर दिया है। self-assessment tax ₹1 लाख पार करे तो पैसा **31 अक्तूबर** तक बाहर; return **21 नवंबर** तक अंदर। रक़म सीमा के आसपास हो तो अंदाज़े के बजाय इसी हफ़्ते ठीक से निकाल लीजिए — पूरा सवाल उसी सीमा का है।

ज़रूरी तारीख़ें

अक्तूबर – नवंबर 2026

20 अक्टू — आज ही
GSTR-3B
सितम्बर, मासिक भरने वाले — और ऑडिट रिपोर्ट अपने login में accept कीजिए

21 अक्टू — कल
टैक्स ऑडिट रिपोर्ट
बढ़ाई हुई तारीख़। इसके बाद कुछ नहीं खिसकता

22 अक्टू — 2 दिन बाकी
GSTR-3B — Q2, QRMP
आपके राज्य के हिसाब से 22 या 24

31 अक्टू — 11 दिन बाकी
तीन चीज़ें, एक नहीं
Q2 का TDS statement · जहाँ s.92E लागू है वहाँ Form 3CEB · ₹1 लाख से ऊपर self-assessment tax

1 नव — 12 दिन बाकी
deadline नहीं
इस तारीख़ से लिया credit input-services refund के लिए पात्र — जब Act में संशोधन हो जाए

7 नव — 18 दिन बाकी
TDS जमा
अक्तूबर का

11 नव — 22 दिन बाकी
GSTR-1
अक्तूबर, मासिक भरने वाले

15 नव — 26 दिन बाकी
TDS certificates — Q2
deductees को Form 16A

20 नव — 31 दिन बाकी
GSTR-3B
अक्तूबर, मासिक भरने वाले

21 नव — 32 दिन बाकी
ITR — ऑडिट वाले
31 अक्तूबर से बढ़ी। self-assessment tax ₹1 लाख पार करे तो 31 अक्तूबर तक भर दीजिए

30 नव — 41 दिन बाकी
ITR — transfer pricing
s.92E वाले मामले

ये आम तारीख़ें हैं। सरकार आगे बढ़ाए तो अगले अंक में बता देंगे। टर्नओवर और राज्य के हिसाब से फ़र्क़ पड़ता है — भरोसा करने से पहले एक बार पूछ लीजिए।

सारी तारीख़ें कैलेंडर में डालें

TCC की सलाह

आज ये तीन काम कर लीजिए

1. **portal पर आज login कीजिए, कल नहीं।** मासिक भरने वालों की सितम्बर की **GSTR-3B** आज देय है, और कल CA जो ऑडिट रिपोर्ट upload करेंगे वह तब तक furnish नहीं होती जब तक **आप अपने login में उसे accept न करें**। देख लीजिए कि UDIN बन गया है और 21 को password वाला व्यक्ति उपलब्ध है।

2. **दाम 9.76% के हिसाब से बदलिए, 5.54% के नहीं।** जो तीन inputs आपकी लागत का बड़ा हिस्सा हैं, उनका आज का भाव जुलाई के बिल से मिलाइए और असली प्रतिशत लिख लीजिए। factory gate खिसक चुका है; दुकान नहीं खिसकी। आपकी price list मानसून से न बदली हो, तो यह फ़ैसला है, बाज़ार नहीं।

3. **RIICO की EMD खिड़कियाँ निकल गईं; सीतापुरा वाली नहीं।** जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय को एक फ़ोन **flatted factory modules** पर — size, licence fee, अगली सूचना संख्या — और एक इस पर कि **direct allotment scheme** में आप पात्र हैं या नहीं। दूसरे सवाल की कोई deadline नहीं है, और इसीलिए वह पूछा ही नहीं जाता।

GST · काउंसिल

काउंसिल ने एक हाथ से दिया, दूसरे से टाल दिया

57वीं GST काउंसिल · 8 अक्तूबर 2026 · अभी कुछ भी क़ानून नहीं

57वीं काउंसिल **8 अक्तूबर** को बैठी — इस अख़बार के बताए दिन से एक दिन बाद, और यह सुधार कहने लायक़ है क्योंकि तारीख़ हमने दो बार छापी थी। **section 17(5)** पर उसने गिनाई हुई सूची में blocked credit में ढील की सिफ़ारिश की: outdoor catering, health और life insurance, telecom tower, फ़ैक्ट्री के बाहर बिछी pipeline, free sample, और वह माल जो shelf life ख़त्म होने पर क़ानूनन बट्टे खाते डालना पड़ता है। राजस्थान के निर्माता के लिए insurance और बट्टे खाते वाला स्टॉक — ये दो लगभग हर बही में मिलते हैं।

जो नहीं हुआ, वह ज़्यादा मायने रखता है। राज्यों की आपत्ति के बाद **motor vehicle टाल दिए गए** — ज़्यादातर व्यापार और सेवा वालों के लिए blocked credit का सबसे बड़ा मद, और जिसमें ढील की उम्मीद सबसे ज़्यादा थी। **section 16(2)** का प्रस्ताव, जो आपकी credit को विक्रेता के असल में टैक्स चुकाने से बाँधता है, मंत्रिसमूह को चला गया। और supplier की चूक पर नेकनीयत ख़रीदार की हिफ़ाज़त — वही 'ITC की ढाल' जिसे इस अख़बार ने मेज़ पर बताया था — तय ही नहीं हुई: अधिकारियों की समिति उसे देखेगी और **लगभग तीन महीने** में रिपोर्ट देगी, फिर मामला काउंसिल लौटेगा।

और वह हिस्सा जो काउंसिल की हर बैठक पर ग़लत पढ़ा जाता है: सिफ़ारिश नियम नहीं होती। section 17(5) बदलने के लिए क़ानून में संशोधन चाहिए — यानी संसद और राज्य विधानसभाएँ, आम तौर पर किसी Finance Act से। **जब तक वह नहीं होता, मौजूदा रोक पूरी तरह लागू है।** अक्तूबर की press release के भरोसे अभी ली गई credit वह credit है जिसके पीछे कोई प्रावधान नहीं — और ब्याज उस दिन से चलता है जिस दिन आपने ली, उस दिन से नहीं जिस दिन आप सही साबित हुए।

क्रेडिट · ब्याज दरें

ब्याज का चक्र पलट गया। आपकी EMI को अभी पता नहीं चला

7 अक्तूबर से रेपो 5.50% · फ़रवरी 2023 के बाद पहली बढ़ोतरी

MPC ने **7 अक्तूबर** को रेपो दर **25 आधार अंक बढ़ाकर 5.50%** कर दी और रुख़ calibrated tightening कर लिया — **फ़रवरी 2023** के बाद पहली बढ़ोतरी, और उस कटौती के दौर का अंत जिसने 2025 में 125 आधार अंक घटाए थे। गवर्नर ने कहा कि निकट भविष्य में कटौती का सवाल नहीं। साथ ही RBI ने FY27 की वृद्धि **7.1%** और FY27 की महँगाई **5.2%** रखी।

उसके बाद के आँकड़े बैंक के पक्ष में, और उससे आगे ही गए। सितम्बर की खुदरा महँगाई **5.54%** रही, अगस्त के 4.82% से ऊपर और बाज़ार की उम्मीद से भी ज़्यादा; खाने-पीने की **7.74%**। थोक महँगाई 9.92% से **11.39%** पर। इन दोनों को साथ रखिए, क्योंकि इनके बीच का फ़ासला ही निर्माता पर गिरता है: लागत ग्यारह प्रतिशत की रफ़्तार से बढ़ रही है और जो दाम आप आगे बढ़ा सकते हैं वे साढ़े पाँच की रफ़्तार से। आपका मुनाफ़ा असल में यही फ़ासला खा रहा है, रेपो दर नहीं।

कर्ज़ लेने वाले के लिए ऐलान से ज़्यादा तरीक़ा मायने रखता है। रेपो से जुड़ा कर्ज़ 7 अक्तूबर को नहीं बदलता; वह अपनी **reset तारीख़** पर बदलता है, जो तीन महीने तक दूर हो सकती है, और तब बैंक तय करता है कि अवधि बढ़ाए या किस्त। जिस कर्ज़ की अवधि ख़त्म होने को है, उसमें अवधि बढ़ाना चुपचाप नाकाम रहता है — बढ़ाने को बची ही नहीं — और किस्त उछल जाती है। reset के बाद नहीं, पहले लिखवाकर पूछिए कि कौन सा होगा।

> **आपको क्या करना है**
>
> इस हफ़्ते एक शीट: हर floating कर्ज़, उसकी बाक़ी रक़म, और उसकी **reset तारीख़**। 25 आधार अंक आप तक उसी तारीख़ पर पहुँचेंगे, 7 अक्तूबर को नहीं — और साल का हिसाब लगाने को बस वही चाहिए। हर बैंक से लिखवाकर पूछिए कि reset अवधि पर लगेगा या किस्त पर। और इस तिमाही term loan की सोच थी तो सस्ता सिरा बंद हो चुका: project का हिसाब 5.50% पर भी लगाइए और 5.75% पर भी, क्योंकि रुख़ कह रहा है कि कसावट है, एक बार की बात नहीं।

आपको क्या करना है

सूची रखिए, उस पर अमल मत कीजिए। इस साल section 17(5) में बट्टे खाते डाली हर रुपये की credit एक शीट में, मद के हिसाब से, और निशान लगाइए कि काउंसिल ने कौन से मद गिनाए — return सुधारने लायक़ वही हैं, *जब क़ानून बदलेगा तब*। supplier की चूक से गया नुक़सान अलग कॉलम में रखिए, invoice और भुगतान के सबूत के साथ: उस file के पास अब तीन महीने वाली समिति है, और आँकड़ों वाला व्यापार संगठन शिकायतों वाले से ज़्यादा वज़न रखता है।

लागत · दबाव

थोक 11.39%, खुदरा 5.54%। यह 5.85 अंक कोई तो भुगत रहा है

WPI सितम्बर · 14 अक्तूबर · CPI सितम्बर · 12 अक्तूबर

तीन दिन के फ़ासले पर दो आँकड़े, और मिलकर ये दोनों उससे ज़्यादा बताते हैं जो अलग-अलग बताते हैं। सितम्बर की थोक महँगाई **11.39%** रही, अगस्त के 9.92% से ऊपर। खुदरा **5.54%**, 4.82% से ऊपर। थोक का आँकड़ा अब खुदरा से **5.85 प्रतिशत अंक** ऊपर है। आम साल में यह नीचे रहता है। इसी अख़बार ने **अंक 07** में यही जोड़ी 9.92% और 4.82% पर छापी थी — फ़र्क़ 5.10 अंक — और तभी कहा था कि यह फ़र्क़ ही margin है। तब से दोनों आँकड़े बढ़े हैं और फ़र्क़ पौन अंक और चौड़ा हो गया है।

ये 5.85 अंक कहाँ सोखे जा रहे हैं — यही सवाल तय करता है कि आप क्या करें, और इसका जवाब ब्यौरे में है। ईंधन और बिजली **25.85%** पर रहे — यह input का झटका है, कोई नई बात नहीं। नई बात है **manufactured products का 9.76%**, पूरी श्रृंखला में सबसे ऊँचा। यह factory gate है, और इसका मतलब है कि बनाने वाले ने लागत का बड़ा हिस्सा आगे बढ़ा दिया है। खुदरा 5.54% पर है, यानी दुकान ने नहीं बढ़ाया। तो इस तिमाही का दबाव वहाँ नहीं है जहाँ जुलाई में था। वह चेन में नीचे खिसक गया है — उस पर, जो थोक भाव और ग्राहक के बीच खड़ा है: trader, distributor, दुकान।

इससे हफ़्ते का वह एक आँकड़ा भी समझ में आता है जो बेमेल लगता है। CPI में खाने-पीने की महँगाई **7.74%** रही और WPI में **8.66%** — दोनों पास-पास हैं, और खाना वही एक श्रेणी है जहाँ pass-through लगभग पूरा हो जाता है, क्योंकि price list बचाने के लिए कोई टमाटर रोककर नहीं रखता। गाँव की महँगाई **6.08%** और शहर की **4.88%** — मांग की तरफ़ से यही बात कहती है: जिस घर के पास सबसे कम गुंजाइश है, वही पूरी बढ़ोतरी पहले से भर रहा है। अगर आपके ग्राहक गाँव के हैं और आपके inputs manufactured हैं, तो इस तिमाही दबाव के दोनों हिस्से आपके हैं।

व्यापार · भारत–अमेरिका

निर्यात 23% ऊपर, और tariff की दर हम अब भी नहीं छापेंगे

वाणिज्य मंत्रालय · 15 अक्तूबर · $44.40 अरब, घाटा $30.21 अरब

सितम्बर अच्छा महीना रहा, और और आँकड़े साफ़ हैं। वस्तु निर्यात **$44.40 अरब** रहा, सितम्बर 2025 से **23.04%** ऊपर — electronic goods सबसे आगे, अनाज और **handicrafts** दोनों मज़बूत। आख़िरी वाली बात यहाँ मायने रखती है, क्योंकि वह जयपुर की लाइन है। आयात **$74.61 अरब** रहा, करीब 8% ऊपर — सोना तेज़ी से नीचे, मगर कच्चा तेल और electronics ने उसकी भरपाई से ज़्यादा कर दिया। वस्तु घाटा **$30.21 अरब** रहा: साल भर पहले के $33 अरब से कम, अगस्त के $26.86 अरब से ज़्यादा। FY27 की पहली छमाही में निर्यात **18.51%** बढ़कर $259.89 अरब है।

अस्पष्ट यह है कि उस माल पर दर क्या लगती है — और यह अख़बार कोई एक चुनकर इसे हल नहीं करेगा। फ़रवरी के framework में भारत पर reciprocal tariff **18%** रखा गया, 25% से घटाकर। उसके बाद अमेरिकी Supreme Court ने reciprocal tariffs को ही अवैध ठहरा दिया, और फिर executive orders से सब देशों के कुछ उत्पादों पर **10%** लगा। **6 अक्तूबर** की रिपोर्टिंग कहती है कि भारतीय माल पर अभी 10% है, और बड़ी श्रेणियाँ — generic pharma, smartphones — duty से पूरी तरह बाहर हैं। इन चार में तीन आँकड़े बचाव-योग्य हैं और तीनों एक नहीं हैं। असहमति का नाम लेना ही छापने लायक़ सच है; एक आँकड़ा छापने से पन्ना साफ़ दिखेगा और गलत होगा।

ख़ुद समझौते पर दस दिन में तीन अधिकारियों ने तीन मेल खाती बातें कहीं। वाणिज्य मंत्री **पीयूष गोयल**: पहला tranche तय हो चुका है और legal drafting में है, और भारत उसे तभी लागू करेगा जब उसमें बराबरी के देशों से tariff में फ़ायदा हो — यही शर्त पूरी बातचीत है। मुंबई में **मार्को रुबियो**: बहुत करीब। **एस. जयशंकर**: landing point के पास। और **16 अक्तूबर** को रूसी तेल ख़रीदने वालों पर अतिरिक्त tariff की धमकी वापस ले ली गई, जिससे एक जीवित टकराव हटा। दस्तख़त कुछ पर नहीं हुए। वित्त मंत्री ने **6 अक्तूबर** को गतिरोध बताया था; दस दिन बाद बात drafting की है। दोनों सच हो सकते हैं, और दोनों में से कोई तारीख़ नहीं है।

आपको क्या करना है

खुदरा आँकड़े के हिसाब से दाम न बदलिए। आपके quotation को चलाने वाला आँकड़ा **9.76%** है, 5.54% नहीं — factory gate इतना खिसक चुका है, और खुदरा आँकड़े के हिसाब से quote करना ही वह तरीक़ा है जिससे trading का काम अच्छी तिमाही को बुरी तिमाही से भी ख़राब margin पर ख़त्म करता है। जो तीन-चार inputs आपकी लागत का बड़ा हिस्सा हैं, उनका आज का भाव जुलाई के बिल से मिलाइए और असली प्रतिशत काग़ज़ पर लिखिए। अगर वह दहाई के आसपास है और आपकी price list मानसून से नहीं बदली, तो यह फ़र्क़ बाज़ार की हालत नहीं है। यह वह फ़ैसला है जो आप फ़ैसला न लेकर ले रहे हैं।

आपको क्या करना है

अंक 09 से हिदायत नहीं बदली, और यही बात है: **शिपमेंट की तारीख़ पर लागू tariff** के हिसाब से quote कीजिए, quote करते समय लागू वाले के हिसाब से नहीं — और यह contract में लिख दीजिए। दो वाक्य काफ़ी हैं: कि दाम bill of lading की तारीख़ पर लागू duty मानकर है, और तय हद से ज़्यादा बदलाव पर दाम फिर खुलेगा। आँकड़े पर टिकी सलाह आँकड़ा हिलते ही मर जाती है; तरीक़े पर टिकी सलाह आठ महीने में चार दरें झेल गई। अगर आप pharma या electronics भेज रहे हैं, तो उस duty पर छूट देने से पहले देख लीजिए कि आपकी line छूट वाली श्रेणी में है या नहीं — हो सकता है आप वह duty भर ही न रहे हों।

बाज़ार

16 अक्तूबर 2026 तक का हफ़्ता · पाँच कारोबारी दिन

सूचकांक	बंद भाव	हफ़्ता
Nifty 50	23,146.15	+2.8%
Sensex	74,729.27	+3.1%

आठ हफ़्ते का घाटे का सिलसिला ख़त्म हो गया। यह लगातार **दूसरा** चढ़ने वाला हफ़्ता था और करीब छह महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त: निफ्टी शुक्रवार को **23,146.15** पर बंद हुआ, करीब **2.8%** ऊपर, और सेंसेक्स **74,729.27** पर, करीब **3.1%** ऊपर। इसका बड़ा हिस्सा **IT** की वापसी और मज़बूत **रुपये** ने किया। कमज़ोर हिस्सा breadth रहा — mid-cap और small-cap साथ नहीं चले, और दो सेक्टर के दम पर चली तेज़ी नीचे से ऐसी ही दिखती है। दशमलव पर यह अख़बार जान-बूझकर एक छाप रहा है, दो नहीं: निफ्टी की साप्ताहिक बढ़त तीन अलग स्रोत 2.78%, 2.79% और 2.8% बताते हैं, सेंसेक्स की 3.11% और 3.13%, और एक जगह शुक्रवार का निफ्टी बंद भाव 23,119.00 लिखा है जबकि बाक़ी सब 23,146.15। जहाँ स्रोत दूसरे दशमलव पर नहीं मिलते, वहाँ दूसरा दशमलव सजावट है।

राजस्थान · RIICO

RIICO की खिड़कियाँ बंद हो गईं। सीतापुरा वाली अब भी खुली है

EMD 13–14 अक्तूबर को बंद · flatted factory modules licence fee पर

वे तारीख़ें निकल गईं, और जिस अख़बार ने वे तारीख़ें छापी थीं, उस पर अगला वाक्य देना बनता है — पहले वाले की दूसरी नक़ल नहीं। **500 से ज़्यादा भूखंडों** की e-auction में online आवेदन और earnest money **13 और 14 अक्तूबर** को शाम 6 बजे बंद हो गए, और RR MoU वालों के लिए direct allotment की खिड़की **12** को। अंक 09 पढ़कर आपने EMD का इंतज़ाम कर लिया, तो आप auction में हैं। नहीं किया, तो कितना भी पढ़ने से अब नहीं होंगे — और काम का सवाल यह है कि इस महीने जयपुर में नई सूचना के बिना अभी क्या मिल सकता है।

जवाब है **सीतापुरा Flatted Factory Complex**, और यह भूखंड से अलग चीज़ है। वहाँ के modules e-auction से **licence fee के आधार** पर दिए जा रहे हैं — आप क़ब्ज़े का हक़ बोल रहे हैं, ज़मीन नहीं ख़रीद रहे — और वे plug-and-play हैं, **garments, जेम्स एंड ज्वेलरी, और IT** के लिए बने। इसी अख़बार के जयपुर के ज़्यादातर पाठक असल में इन तीन क्षेत्रों में हैं। देखने की वजह पूँजी की बनावट है: ज़मीन का भुगतान नहीं, निर्माण का साल नहीं, जमा फँसाने के बजाय महीने का ख़र्च — उस यूनिट के लिए यह समझदार ढाँचा है जो दूसरी line आज़मा रही है, उस पर टिक नहीं रही।

पूरी हो चुकी round का एक आँकड़ा रखने लायक़ है, क्योंकि यही ईमानदार इशारा है कि यह ज़मीन किस भाव पर छूटती है: RIICO की auctions से **128 निवेशकों से ₹569 करोड़** आए। भाग दें तो हर सफल बोलीदाता का औसत **₹4.4 करोड़** से कुछ ऊपर — इससे पता चलता है कि छूटने वाली बोलियाँ पहली बार आने वाली छोटी यूनिट से नहीं आ रही हैं, reserve price जो भी कहे। इसे अगली सूचना से पहले पढ़िए, बाद में नहीं। RIICO ने **direct land allotment scheme** भी मंज़ूर की है, जिसका मक़सद

सस्ती allotment तेज़ करना है — अगर auction वाला रास्ता आपके आँकड़े से ऊपर छूटता रहे, तो पूछने लायक़ रास्ता यही है।

आपको क्या करना है

इस हफ़्ते दो फ़ोन। एक RIICO के जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय को, ख़ास तौर पर **सीतापुरा flatted factory modules** पर — कौन-कौन से module size हैं, licence fee क्या है, और नई e-auction सूचना कब आनी है; सूचना संख्या माँगिए, क्योंकि तारीख़ उसी से तय होती है। दूसरा यह पूछने के लिए कि **direct allotment scheme** में आप पात्र हैं या नहीं — यह आपकी श्रेणी और project का सवाल है, तारीख़ का नहीं, इसलिए किसी भी हफ़्ते पूछा जा सकता है। और हर महीने के पहले हफ़्ते RIICO portal देखने का reminder लगा लीजिए: तीन महीने में इस अख़बार ने जो भी खिड़की बताई, उसकी सूचना तीन हफ़्ते से कम पहले आई — यह आदत है, बदक़िस्मती नहीं।

स्टार्टअप की खबरें

12 – 17 अक्तूबर 2026

- दो हिसाब हैं, और यह कॉलम दोनों छाप रहा है। एक 12–17 अक्तूबर के लिए **28 स्टार्टअप में $302.85 मिलियन** गिनता है; दूसरा 12–16 के लिए **25 में $236.2 मिलियन**। खिड़की अलग, तरीक़ा अलग, हफ़्ता वही। इसे दायरा मानिए, आँकड़ा नहीं।
- सबसे बड़ा घोषित चेक **Tessolve Semiconductor** का **$75 मिलियन** था, Vector Line Capital से — semiconductor services, consumer internet नहीं; हफ़्ते का सबसे बड़ा पैसा वहीं गया। उसके पीछे **Spill Games** ने Elevation Capital की अगुवाई में Series A में $10.5 मिलियन लिए और **Clueso** ने Dharana Capital से $10 मिलियन।
- **बेंगलुरु ने 19 सौदे लिए।** और जो “हफ़्ते में 2.7 गुना” बहुत उद्धृत हो रहा है, वह पूरी तरह इस पर टिका है कि आप कौन सा हिसाब शुरुआत में रखते हैं — पिछला हफ़्ता $113.35 मिलियन और $122.9 मिलियन, दोनों बताया गया है। दो विवादित आँकड़ों पर बना गुणा सुर्ख़ी है, रुझान नहीं।

संदर्भ · आने वाले हफ़्ते

अक्तूबर में चार तारीख़ें बची हैं, और नवंबर में एक जो deadline नहीं है

20 अक्तूबर से 30 नवंबर 2026

आज उनमें से एक है, और और महीने का बाक़ी हिस्सा कैलेंडर से ज़्यादा तंग है। **20 अक्तूबर** — आज — मासिक भरने वालों के लिए सितम्बर की **GSTR-3B** है। **21 अक्तूबर** ऑडिट रिपोर्ट है, और उसके बाद कुछ नहीं खिसकता। **22 या 24 अक्तूबर** QRMP वालों के लिए जुलाई–सितम्बर तिमाही की GSTR-3B है, तारीख़ आपके राज्य पर निर्भर है। **31 अक्तूबर** पर तीन अलग चीज़ें हैं जिन्हें आम तौर पर एक मान लिया जाता है: **Q2 का TDS statement**, जहाँ section 92E लागू है वहाँ **Form 3CEB**, और — इस अख़बार की राय में — **self-assessment tax**, अगर वह ₹1 लाख पार करे।

फिर नवंबर लंबा और शांत चलता है। **7 नवंबर** अक्तूबर का TDS भुगतान, **11 नवंबर** अक्तूबर की GSTR-1, **15 नवंबर** Q2 के TDS certificates Form 16A में, **20 नवंबर** अक्तूबर की GSTR-3B, **21 नवंबर** ऑडिट वालों की ITR, **30 नवंबर** जहाँ section 92E लागू है वहाँ की ITR। बनावट देखिए: दबाव का पखवाड़ा अभी है, और जिस return की सबसे ज़्यादा चिंता है वह पाँच हफ़्ते दूर है। कंपनियाँ नवंबर इसलिए गँवाती हैं कि 21 अक्तूबर को वे 21 तारीख़ को ही finish line मान लेती हैं।

नवंबर की एक तारीख़ deadline ही नहीं है और वह दूसरे खाने में आती है। 57वीं काउंसिल ने सिफ़ारिश की कि inverted duty structure वाले कारोबारों के लिए **input services** पर चुकाया टैक्स refundable हो जाए — उस credit पर जो **1 नवंबर 2026 को या उसके बाद** लिया गया हो। deadline मानकर पढ़ें तो इसका कोई मतलब नहीं। शुरुआत की लकीर मानकर पढ़ें तो मतलब है कि credit उस तारीख़ के किस तरफ़ लिया गया, इससे आपकी refund की हालत बदलती है — और यह महीना बदलने से पहले जानना चाहिए, उस तिमाही में नहीं जब दावा भरें। इसके लिए पहले Act में संशोधन भी चाहिए, इसलिए इस तारीख़ को देखने की चीज़ मानिए, भरोसा करने की नहीं।

इस हफ़्ते का सवाल

हर अंक में एक

"मेरे CA कह रहे हैं कि ऑडिट रिपोर्ट 21 को ही देर शाम upload करेंगे। लिखकर भी दे दिया है। मैं सुरक्षित हूँ?"

तारीख़ पर हाँ — specified date **21 अक्तूबर** है और 21 को दी गई रिपोर्ट समय पर दी गई है; **section 271B** के पास तारीख़ निकलने तक पकड़ने के लिए कुछ नहीं है। प्रक्रिया पर अभी नहीं — और यहीं हर साल रिपोर्टें फँसती हैं। आपके CA का upload आधा काम है। रिपोर्ट आपके ही portal login में pending action बनकर बैठती है और **उसे आपको accept करना होता है**; जब तक आप नहीं करते, कुछ भी furnish नहीं हुआ — CA की लिखित बात जो भी कहे। तो तीन काम आज, कल नहीं। एक — पक्का करें कि **UDIN** बन गया है, क्योंकि उसके बिना रिपोर्ट अमान्य मानी जाती है और उसे ठीक करने का मौक़ा 21 की रात 11 बजे नहीं होगा। दो — 21 की शाम आप, या जिसके पास portal का password है, accept करने के लिए उपलब्ध हो; वह व्यक्ति सफ़र में हो तो इंतज़ाम अभी बदलिए। तीन — acknowledgement नंबर और acceptance का screenshot रखिए, क्योंकि असल झगड़ा acceptance हुआ या नहीं — इस पर चलता है, upload हुआ या नहीं इस पर नहीं। अलग बात: **return** 21 नवंबर है, मगर self-assessment tax **₹1 लाख** पार करे तो **31 अक्तूबर** तक भर दीजिए — पिछले extensions में CBDT ने उस हद से ऊपर 234A का ब्याज मूल तारीख़ से चलने दिया है, और इस बार किसी आदेश ने उलटा नहीं कहा।

अपना सवाल भेजिए — हर अंक में एक का जवाब देते हैं

आपको क्या करना है

अक्तूबर की चारों तारीख़ों को क्रम से नहीं, काम के हिसाब से अलग कीजिए। आज की **GSTR-3B** और **22/24** को भुगतान और filing चाहिए; **21** को वह दस्तख़त चाहिए जो आप ख़ुद नहीं कर सकते; **31** को तीन अलग लोगों से तीन अलग काम चाहिए — इसीलिए वही तारीख़ सबसे ज़्यादा आधी पूरी होती है। फिर नवंबर के पहले हफ़्ते में **input services** वाले सवाल पर दो घंटे रख लीजिए, जब तक वह चुनाव है। refund उन्हें नहीं मिलता जो सबसे अच्छी filing करते हैं; उन्हें मिलता है जिन्हें credit लेने से पहले नियम पता था।

हमने क्या कहा, और हुआ क्या

पिछला अंक, रिकॉर्ड से मिलाकर

सही निकला अंक 09 · ब्याज दर

> "कटौती का इंतज़ार छोड़िए — बैंक के ख़ुद के आँकड़े दूसरी तरफ़ इशारा कर रहे हैं।"

MPC ने 7 अक्तूबर को **25 आधार अंक बढ़ाकर 5.50%** कर दिया और calibrated tightening पर आ गई। दो सदस्यों की असहमति stance पर थी, बढ़ोतरी पर नहीं।

ग़लत निकला अंक 06 और 09 · GST काउंसिल

> "काउंसिल 12 सितम्बर को बैठेगी" — और फिर "7 अक्तूबर को"।

वह **8 अक्तूबर** को बैठी। तारीख़ पर दो बार ग़लत, छपकर — और अब यह अख़बार काउंसिल की तारीख़ को तय मानकर नहीं छापेगा जब तक एजेंडा ही न आ जाए।

आधा सही अंक 09 · बाज़ार

> "ख़बर बंद भाव नहीं, flows हैं — घरेलू ख़रीद विदेशी बिकवाली से ₹1,511 करोड़ कम पड़ी।"

तरीक़ा सही बताया गया और मोड़ नहीं पकड़ा गया। उसके बाद दो चढ़ने वाले हफ़्ते आए और **आठ हफ़्ते का सिलसिला टूटा**। जिस पाठक ने उस पैराग्राफ़ को बाहर रहने की वजह माना, उसने छह महीने का सबसे अच्छा हफ़्ता गँवाया।

सही निकला अंक 09 · निर्यात

> "10% पर quote कीजिए और राहत, अगर आए, तो margin में नहीं — price-revision clause में रखिए।"

clause टिका; उसमें लिखा आँकड़ा नहीं टिका। अब tariff के चार बचाव-योग्य आँकड़े चल रहे हैं — इसीलिए यह अंक clause दोबारा छाप रहा है और दर एक भी नहीं।

यह इस अंक से शुरू हुआ है, और आगे हर अंक में रहेगा। पिछला रिकॉर्ड archive में है। अगर कोई बात इस खाने से छूट गई है जो आपको लगती है कि तुलनी चाहिए, लिख भेजिए — अगले हफ़्ते तुलेगी, उनमें वे भी जो हमारे ख़िलाफ़ जाती हैं।

इकॉनमी एक नज़र में

रेपो रेट		5.50%
CPI (सितम्बर)		5.54%
WPI (सितम्बर)		11.39%
Manufactured (WPI)	9.76%	श्रृंखला में सबसे ऊँचा — factory gate
खाने-पीने की महँगाई	7.74%	अगस्त के 5.95% से
रुपया	~94.97/$	96.79 से सुधरा
निर्यात (सितम्बर)		$44.40 bn

MoSPI (CPI, 12 अक्तूबर), PIB (WPI, 14 अक्तूबर), वाणिज्य मंत्रालय (व्यापार, 15 अक्तूबर), RBI (7 अक्तूबर)। जहाँ दो स्रोत दूसरे दशमलव पर अलग हैं, यह तालिका पहला रखती है और बता देती है — औसत नहीं निकालती।

इनमें से कोई खबर आप पर लागू होती है ?

बस एक मैसेज कीजिए। हम बता देंगे कि आप पर क्या लागू होता है, कब तक करना है, और किस बात की चिंता नहीं करनी। फिक्स्ड मंथली फीस, कोई लॉक-इन नहीं, नोटिस आया तो वो भी हम देखेंगे — जैसे 1,100+ MSME के साथ पहले से कर रहे हैं।

लोग हमारे पास क्यों आते हैं

- फिक्स्ड मंथली फीस — न छुपा चार्ज, न लॉक-इन
- सब कुछ WhatsApp पर। नोटिस आया तो वो भी हम देखेंगे।
- 7 दिन में books बंद, हर महीने P&L डैशबोर्ड

किसी कारोबारी के काम की है? आगे भेज दीजिए।

The Consulting Crew

theconsultingcrew.in
hello@theconsultingcrew.in
WhatsApp +919251022710
जयपुर · पूरे भारत में

हम क्या करते हैं

GST · इनकम टैक्स · TDS · ROC · पेरोल · CFO सलाह · कंपनी और LLP रजिस्ट्रेशन

अगला अंक

रविवार, 25 अक्तूबर 2026

पिछले अंक

हर अंक, मुफ़्त

THECONSULTINGCREW.IN

खबरें कहाँ से

ऑडिट की तारीख़, और वे दो तारीख़ें जो नहीं खिसकीं — CAclubindia — audit report to 21 October, ITR to 21 November, MASLLP — what the extension means, and who it covers, Kunal Darwani — what changes and what does not · 57वीं GST काउंसिल — 8 अक्तूबर — Rajput Jain & Associates — ITC relief, refund reform, no GST arrest, CAnearby — the key decisions, explained, Startup Movers — decisions and the new rules · दाम — खुदरा 5.54%, थोक 11.39% — PIB — provisional WPI for September 2026, The Tribune — WPI climbs to 11.39% from 9.92%, CNBC — retail inflation jumps to 5.54%, above estimates · ब्याज दर — 7 अक्तूबर को रेपो 5.50% — Corp Law Updates — 5.50%, SDF, MSF and the next MPC date, SuperKalam — the October MPC decision · व्यापार — सितम्बर के आँकड़े, और हम tariff की दर क्यों नहीं छापते — Business Today — exports $44.4 bn, deficit $30.21 bn, ANI — exports jump 23% in September, Business Today — the deal nears the finish line, tariff clarity does not, White House — the February framework, 25% to 18%, CNBC — Indian exports facing 10%, large categories exempt · राजस्थान — RIICO भूखंड, सीतापुरा, और ज़मीन किस भाव छूटी — Udaipur Times — 500-plus RIICO plots up for e-auction, Business Standard — auctions fetch ₹569 crore from 128 investors, RIICO — the portal, for the next notice · बाज़ार और स्टार्टअप — जहाँ स्रोत आपस में नहीं मिलते — Kotak Neo — Nifty +2.79%, Sensex over 3% on the week, Zerodha — weekly market metrics, 16 October, Startup Spotlight — $302.85 million across 28 startups, 12–17 October, Inc42 — the competing weekly tally

ज़रूरी सूचना। यह अख़बार The Consulting Crew अपने क्लाइंट और जान-पहचान वालों की जानकारी के लिए निकालता है। यह कोई कानूनी, टैक्स या निवेश की सलाह नहीं है, और इसे पढ़ने से हमारा-आपका क्लाइंट रिश्ता नहीं बनता। आँकड़े, दरें और तारीख़ें छपने के दिन तक की हैं और सरकार के नोटिफिकेशन से बदल सकती हैं। कुछ भी करने से पहले अपने केस के हिसाब से हमसे एक बार पूछ लीजिए। बाज़ार के आँकड़े सिर्फ़ जानकारी के लिए हैं, कोई शेयर खरीदने या बेचने की सलाह नहीं।